EDI

Rajasthan Patrika

March 18, 2016
Page No. 2

ईडीआई में 101 कशीदेकार ने सीखे उद्यमिता के गुर

पटोला व कच्छी कशीदकारी में हैं माहिर

अहमदाबाद @ पत्रिका

patrika.com/city

पाटण के पटोला और कच्छ की कशीदकारी में माहिर 101 कशीदेकारों ने अपने इसी हुनर व कला के क्षेत्र में उद्यम शुरू करने के गुर सीखे।

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआई) में दस दिनों तक इन्हें इनके उत्पादों व बेहरीन कार्य के क्षेत्र में उद्यम शुरू करने की एबीसीडी सिखाई गई। कला में माहिर इन कलाकारों को उद्यम शुरू करने से होने वाले फायदे और ख्याति से भी अवगत कराया। इन्हें उनके हुनर के बूते नए उत्पादों को तैयार करने का भी प्रशिक्षण दिया गया।

गुजरात पर्यटन निगम लिमिटेड (टीजीसीएल) व ईडीआई ने इन कलाकारों के कौशल वर्धन के साथ उनके इस हुनर के बूते उन्हें उद्यमिता के लिए प्रेरित करने के लिए दस दिनों का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया था।

इसमें राज्यभर के 101 पटोला व कच्छ की कशीदाकारी के हुनरमंद कारीगरों ने शिरकत की। साथ ही 60 टूर ऑपरेटरों को भी प्रशिक्षण दिया गया। इन्हें इस प्रशिक्षण को पूर्ण करने से जुड़ा प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया गया।

ईडीआई के निदेशक डॉ.सुनील शुक्ला ने कहा कि बिहार की मधुबनी और उत्तरप्रदेश की टेराकोटा कला की तरह ही गुजरात के पाटण की पटोला और कच्छ की कशीदकारी कला व उद्योग में पर्यटकों को आकर्षित करने की क्षमता है। इसके लिए इन कशीदकारों को अपने उत्पाद का मूल्यवर्द्धन करने व तकनीक का उपयोग करना सीखने की जरूरत है। इसका इन्हें प्रशिक्षण दिया गया। किस प्रकार इन्हें हिसाब किताब करना चाहिए व उसका रिकॉर्ड रखना चाहिए। वो भी यहां सिखाया गया।